हर समय सोते रहने वाला बच्चा

बार-बार कोशिशि के बावजूद अगर आपका बच्चा नींद से नहीं जाग पा रहा है तो संभव है कि वह कोमा में हो। कोमा में होने का मतलब यह है कि वह गहरी नींद में है, जिसके लिये सावधानी से चिकित्सीय पड़ताल की जानी चाहिये।

आपका बच्चा कोमा में क्यों है?

बच्चे अनेक कारणों से कोमाग्रस्त हो सकते हैं। कभीकभार कोमा के कारण बिल्कुल स्पष्ट होते हैं (उदाहरण के लिये सिर में गंभीर चोट लगने पर), परंतु कभी-कभी यह पता लगाना अत्यंत मुश्किल होता है कि बच्चा कोमा में क्यों है (उदाहरण के लिये शरीर के केमिकल्स में समस्याएं पैदा होने के कारण)।

कोमा के संभावित कारण निम्नलिखित हो सकते हैं:

- सिर में चोट लग जाना
- दौरे पड़ना
- रक्त में इंफ़ैक्शन हो जाना (जिसे sepsis कहते हैं)
- मस्तिक्ष में या उसके आसपास के अंगों में इंफ़ैक्शन लग जाना (encephalitis या meningitis के कारण)
- रक्त में शुगर कम हो जाना (यानी hypoglycaemia)
- शरीर के केमिकल्स का संतुलन बिगड़ जाना, यानी शरीर के तत्वों में खराबी के कारण समस्याएं पैदा हो गई हैं
- भूल से अगर ज़्यादा दवा पिला दी गई है।

डॉक्टर और नर्सें बच्चे से संबंधित बहुत से प्रश्न आपसे पूछेंगे। इसके अलावा कोमा के कारणों के बारे में जानने के लिये आपके बच्चे के अनेक टैस्ट भी किये जाएंगे, जिनमें कुछ समय लग सकता है।

आप किस तरह हमारी सहायता कर सकते/सकती हैं?

यदि आपको लगे कि विशेष कारणों से बच्चा कोमा में है तो उन कारणों के बारे में तुरंत डॉक्टर या नर्सों को बताएं, विशेषतः से यदिः

- आपने देखा हो कि बच्चे को कपकपाहट हुई है
- क्या आपके बच्चे को तेज बुखार हुआ है?
- क्या घर में रखी दवाएं या गोलियां बच्चे ने खाली हैं?
- क्या आपके बच्चे को किसी दवा से एलरजी है?
- क्या आपके बच्चे ने ऐसप्रिन खाली है?
- क्या आपके बच्चे का संपर्क किसी ऐसे व्यक्ति से हुआ है जिसे मेननजाईटिस या कोल्ड-सोर है? (कोल्ड-सोरः वायरस के कारण होंट पर या होंट के आसपास दानाफुंसी निकल आना)
- आपके परिवार में क्या कोई ऐसा व्यक्ति है जिसके यहां कमज़ोर बच्चा या बेबी पैदा हुआ हो?
- क्या आपका बच्चा विदेश गया था?

किस प्रकार के टैस्ट किये जाएंगे

सबसे पहले खून और पैशाब के नमूने लिये जाएंगे। इन नमूनों के परिणामों से डॉक्टर और नर्सों को समस्या के बारे में जानने और यह निर्णय लेने में सहायता मिलेगी कि किस प्रकार का इलाज किया जाना चाहिये। अधिकांश टैस्टों के परिणाम तुरंत मिल जाते हैं, परंतु कुछ के लिये कई दिन प्रतीक्षा करनी पड़ सकती है।

यदि ऐसा प्रतीत हुआ कि बच्चे के मस्तिष्क पर या मस्तिष्क के आसपास इंफ़ैक्शन (यानी encephalitis या meningitis) है तो मस्तिष्क का एक टैस्ट किया जाएगा जिसे लम्बर-पंक्चर (LP) कहते हैं। इस टैस्ट में एक बारीक सूई रीढ़ की हड्डी में प्रवेश की जाती है, और हड्डी के आसपास तथा मस्तिष्क का तरल पदार्थ निकाला जाता है, जिसके बाद सूई शरीर से बाहर निकाल ली जाती है। यह टैस्ट तब ही किया जाता है जब ऐसा करना सुरक्षित हो, क्योंकि बच्चे की कमर को कुछ देर के लिये घुमावदार मुद्रिका में पकड़ कर रखना होता है।

इसके अलावा मस्तिष्क का स्कैन (सीटी स्कैन) करने की आवश्यकता भी पड़ सकती है। सीटी सकेन एक विशेष ऐक्सरे होता है, जिससे यह पता लगाया जाता है कि बच्चे के मस्तिष्क पर सूजन तो नहीं है। ऐक्सरे के लिये बचचे को एक गोलाकार मशीन के अंदर प्रवेश किया जता है, जहां पर उसे बिल्कुल ठहरी हुई अवस्था में कुछ देर के लिये रुकना पड़ता है। इसलिये संभव है कि बच्चे को पूर्णतयः बेहोश करने की दवाएं दे कर कुछ देर के लिये सुला दिया जाए।

एक रोगी के मस्तिष्क का सीटी स्कैन किया जा रहा है

यह ऐक्सरे भी केवल तब ही लिया जाएगा जब ऐक्सरे किये जाने के समय आपका बच्चा ठीक हालत में हो। ।

किस तरह के इलाज किये जाएंगे

पहले कुछ घंटों के दौरान डॉक्टर और नर्सें यह जानना चाहेंगे कि आपका बच्चा ठीक तरह से सांस ले रहा है या नहीं। सांस लेने में यदि किसी प्रकार की समस्या हुई तो सांस लेने की मशीन (वेनटिलेटर) लगा कर बच्चे को सांस दिलाने में सहायता की जाएगी, और ऐसा तब तक किया जाएगा जब तक बच्चा बिना सहायता स्वयं सांस लेने योग्य नहीं हो जाता।

बच्चे का हृदय यदि सारे शरीर में ठीक तरह से रक्तसंचार नहीं कर पा रहा है तो इस प्रक्रिया को ठीक करने के लिये एक ड्रिप द्वारा बच्चे के शरीर में तरल पदार्थ और दवाएं प्रवेश की जा सकती हैं।

सूजन के कारण कभी-कभी मस्तिष्क के अंदर का प्रेशर अत्याधिक बढ़ जाता है। सूजन और दबाव को कम करने के लिये बच्चे को विशेष दवाएं दी जा सकती हैं।

बेक्टीरिया के कारण यदि रक्त में इंफ़ैक्शन यानी sepsis है या मस्तिष्क के आसपास तरल पदार्थ में इंफ़ैक्शन यानी meningitis है तो इसका इलाज करने के लिये तेज़ असर वाली ऐंटीबायोटिक्स दवाएं दी जा सकती हैं। वायरस के कारण मस्तिष्क में यदि इंफ़ैक्शन यानी encephalitis है तो उसके इलाज के लिये एक अन्य दवा दी जाएगी।

टैस्टों के परिणाम मालूम होने पर और कोमा के संभावित कारणों की जानकारी मिलने के बाद संभव है कि अन्य प्रकार के विशेष उपचार भी किये जाएं।

इसके बाद क्या होगा

यह इसपर निर्भर है कि बच्चे की बीमारी के क्या कारण हैं, और उसका स्वास्थ्य कैसा है। कुछ बच्चों को सघन संरक्षण (इंटेनसिव केयर) में रखना पड़ता है, जब्कि अन्य बच्चों का इलाज बच्चों के सामान्य वार्ड में ही किया जाता है।

यदि आप कुछ पूछना चाहें या अगर आपको किसी बारे में कोई संदेह हो तो डॉक्टर और नर्सें हर तरह से आपके प्रश्नों के उत्तर देने की कोशिश करेंगे।

अतिरिक्त सूचना

कॉन्टैक्ट-ए-फ़ैमिली नामक संस्थान की अपनी वेवसाइट है, जहां पर कोमा के कारणों से संबंधित सविस्तार जानकारी दी गई है, और पेरेंट्स तथा परिवारजनों के लिये स्थानीय सपोर्ट ग्रुपों से संबंधित सूचना भी उपलब्ध है। वेबसाइट का पता है: www.cafamily.org.uk

इस पुस्तिका के लिये वित्तीय सहायता

नेश्नल रीज़-सिंड्रॉम फ़ाउंडेशन यू-के ने की है

The National Reye's Syndrome Foundation UK
एक ऐसी समस्या जिसके कारण बच्चे कोमाग्रस्त हो सकते हैं
www.reyessyndrome.co.uk
रजिस्टर्ड चेरिटी नंबर 288064

मेरा बच्चा नींद से जाग नहीं पा रहा है

उसे क्या हो गया है?

उन पेरेंट्स के लिये पुस्तिका जिनका बच्चा कोमा में है